स्वागतम्

बालकाण्ड में--

*** मंगलाचरण

*** गुरु वंदना

*** ब्राह्मण-संत वंदना

*** खल वंदना

*** संत-असंत वंदना

*** रामरूप से जीवमात्र की वंदना

*** तुलसीदासजी की दीनता और राम भक्तिमयी कविता की महिमा

*** कवि वंदना

*** वाल्मीकि, वेद, ब्रह्मा, देवता, शिव, पार्वती आदि की वंदना

*** श्री सीताराम-धाम-परिकर वंदना

*** श्री नाम वंदना और नाम महिमा

*** श्री रामगुण और श्री रामचरित् की महिमा

*** मानस निर्माण की तिथि

*** मानस का रूपक और माहात्म्य

*** याज्ञवल्क्य-भरद्वाज संवाद तथा प्रयाग माहात्म्य

*** सती का भ्रम, श्री रामजी का ऐश्वर्य और सती का खेद

*** शिवजी द्वारा सती का त्याग, शिवजी की समाधि

*** सती का दक्ष यज्ञ में जाना

*** पति के अपमान से दुःखी होकर सती का योगाग्नि से जल जाना, दक्ष यज्ञ विध्वंस

*** पार्वती का जन्म और तपस्या

*** श्री रामजी का शिवजी से विवाह के लिए अनुरोध

*** सप्तर्षियों की परीक्षा में पार्वतीजी का महत्व

*** कामदेव का देवकार्य के लिए जाना और भस्म होना

*** रति को वरदान

*** देवताओं का शिवजी से ब्याह के लिए प्रार्थना करना, सप्तर्षियों का पार्वती के पास जाना

*** शिवजी की विचित्र बारात और विवाह की तैयारी

*** शिवजी का विवाह

*** शिव-पार्वती संवाद

*** अवतार के हेतु

*** नारद का अभिमान और माया का प्रभाव

*** विश्वमोहिनी का स्वयंवर, शिवगणों को तथा भगवान् को शाप और नारद का मोहभंग

*** मनु-शतरूपा तप एवं वरदान

*** प्रतापभानु की कथा

*** रावणादिका जन्म, तपस्या और उनका ऐश्वर्य तथा अत्याचार

*** पृथ्वी और देवतादि की करुण पुकार

*** भगवान् का वरदान

*** राजा दशरथ का पुत्रेष्टि यज्ञ, रानियों का गर्भवती होना

*** श्री भगवान् का प्राकट्य और बाललीला का आनंद

*** विश्वामित्र का राजा दशरथ से राम-लक्ष्मण को माँगना, ताड़का वध

*** विश्वामित्र-यज्ञ की रक्षा

*** अहल्या उद्धार

*** श्री राम-लक्ष्मण सहित विश्वामित्र का जनकपुर में प्रवेश

*** श्री राम-लक्ष्मण को देखकर जनकजी की प्रेम मुग्धता

*** श्री राम-लक्ष्मण का जनकपुर निरीक्षण

*** पुष्पवाटिका-निरीक्षण, सीताजी का प्रथम दर्शन, श्री सीता-रामजी का परस्पर दर्शन

*** श्री सीताजी का पार्वती पूजन एवं वरदान प्राप्ति तथा राम-लक्ष्मण संवाद

*** श्री राम-लक्ष्मण सहित विश्वामित्र का यज्ञशाला में प्रवेश

*** श्री सीताजी का यज्ञशाला में प्रवेश

*** बंदीजनों द्वारा जनकप्रतिज्ञा की घोषणा, राजाओं से धनुष न उठना, जनक की निराशाजनक वाणी

*** श्री लक्ष्मणजी का क्रोध

*** धनुषभंग

*** जयमाला पहनाना, परशुराम का आगमन व क्रोध

*** श्री राम-लक्ष्मण और परशुराम-संवाद

*** दशरथजी के पास जनकजी का दूत भेजना, अयोध्या से बारात का प्रस्थान

*** बारात का जनकपुर में आना और स्वागतादि

*** श्री सीता-राम विवाह, विदाई

*** बारात का अयोध्या लौटना और अयोध्या में आनंद

*** श्री रामचरित् सुनने-गाने की महिमा

पहला पेज...